



खबर संक्षेप

जिले के 192 पंचायत और 3 नग्न बाल विवाह मुक्त घोषित

सूरजपुर। जिले में 480 ग्राम पंचायत में से 192 ग्राम पंचायत एवं 3 नगर पंचायत को बाल विवाह मुक्त घोषित किया गया है। इस प्रक्रिया में ग्राम सभा का प्रस्ताव, ग्राम पंचायत का प्रस्ताव, पंचायत का प्रमाण पत्र, क्षेत्र के पर्यवेक्षक का अनुमोदन के पश्चात कलेक्टर द्वारा मुक्त ग्राम पंचायत को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र जारी किया गया है। राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ को 2029 तक बाल विवाह मुक्त राज्य बनाने के तरफ यह पहला कदम है। समस्त ग्राम पंचायतों के साथ बाकी बचे समस्त ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद पर विशेष नजर रखने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर के नेतृत्व में जिला प्रशासन, अनुविभागीय अधिकारी, महिला धान जल विकास विभाग, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव संबंधित पुलिस थाना एवं चौकी बाल विवाह रूपाई बुराई को सकुल नष्ट करने हेतु नजर बनाए हुए हैं।

मैनपाट में दो घरों से 130 बोरी अवेध धान जम्ब

अम्बिकापुर। प्रशासन की संयुक्त टीम ने मैनपाट अंतर्गत ग्राम सपनादर एवं कमलेश्वरपुर में छापामार कार्रवाई करते हुए दो घरों में अवेध रूप से भण्डारित 130 बोरी धान जम्ब किया है। सहकारी समितियों में खपाने के उद्देश्य से कोचियों एवं व्यवसायों ने जगह-जगह अवेध धान भण्डारित किया है। प्रशासन की अलग-अलग टीम को कोचियों द्वारा भंडारित अवेध धान को जम्ब कर रही है। अपने घरों में अवेध धान भंडारित करने की सूचना पर सोमवार को टीम ने सपनादर निवासी गुलाब यादव एवं कमलेश्वरपुर निवासी श्यामा यादव के घर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान गुलाब यादव के घर से 70 बोरी एवं श्यामा यादव के घर से 60 बोरी कुल 130 अवेध धान जम्ब किया गया। जम्ब धान का वजन 49 क्विंटल है। संयुक्त टीम ने 10 प्रकरणों में अब तक 1335 क्विंटल अवेध धान जम्ब किया है।

कीटनाशक पीने से गंभीर महिला की गई जान

अम्बिकापुर। कीटनाशक पीने से गंभीर हुई महिला की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार पटखलावां थाना अंतर्गत ग्राम दिवापुर गोदीकला भारमुड़ा निवासी दश कुंवर पति युवराज (30 वर्ष) 30 नवम्बर को घर में अकेली थी जबकि पति काम पर तो सास ससुर धान कटाने गए थे। इसी दौरान महिला ने अज्ञात कारण से कीटनाशक पी ली। घटना की जानकारी लगने पर परिजन उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने महिला की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां बीती रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात लाश का पोस्टमार्टम करवाकर परिजन के सुपुर्द किया है।

पति ने पत्नी पर धारदार खुखरी से किया जानलेवा हमला

अम्बिकापुर। पति द्वारा घर से भगाने तथा पत्नी के घर छोड़ कर नहीं जाने पर पति ने धारदार खुखरी से पत्नी पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार गोधनपुर वसुंधरा विहार कॉलोनी निवासी सुशीला पाल पति संजीत पाल ने गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 30 नवम्बर की शाम घर में थी तभी पति संजीत पाल घर पहुंचा और पत्नी को घर से भगाने लगा। जिस पर पत्नी ने घर से जाने से इंकार कर दी। पत्नी के घर छोड़ कर नहीं जाने पर पति ने अपने पास रखे धारदार नेपाली खुखरी से पत्नी के सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। इधर घटना को देख आसपास के लोगों ने बीच बचाव किया। पीड़िता ने पुत्र ने साथ घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी पति के विरुद्ध धारा 109(1) के तहत अपराध दर्ज किया है।

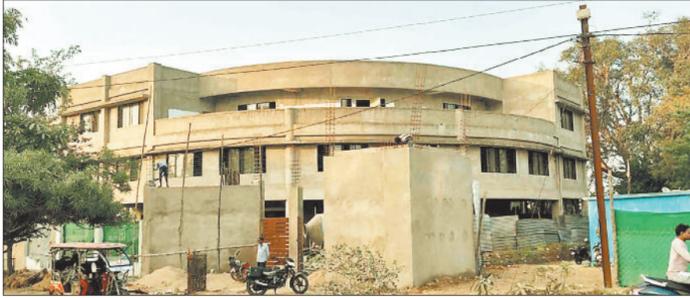
हरिभूमि न्यून अम्बिकापुर

नगर निगम प्रशासनिक भवन के निर्माण के कार्य ने एक बार फिर से तेजी पकड़ ली है। लगभग ढाई

7.50 करोड़ रुपए की लागत से हो रहा है निर्माण, 2023 में शुरू हुआ था काम

करोड़ रुपए की राशि जारी होने के बाद भवन के फिनिशिंग व विद्युतीकरण का कार्य जारी है

जै जबकि पूर्व में इस भवन में 5 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि नए साल की शुरुआत में ही नगर निगम अपने नवनिर्मित प्रशासनिक भवन में शिफ्ट हो जाएगा। भवन के निर्माण को समय पर पूर्ण करने के लिए महापौर ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। बता दें कि नगर निगम ने नवीन प्रशासनिक भवन का निर्माण गौरव



निर्माणधीन प्रशासनिक भवन।

पथ में किया जा रहा है। प्रशासनिक भवन निर्माण के लिए पूर्व की सरकार ने वर्ष 2019 में स्वीकृति प्रदान की थी और 5 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई थी लेकिन प्रशासनिक भवन निर्माण हेतु स्थल चयन नहीं हो पाने के कारण निर्माण कार्य भी अधर में लटक गया था। नगर निगम ने गौरव

पथ किनारे भूमि पर प्रशासनिक भवन निर्माण का निर्णय लेने के बाद वर्ष 2023 में टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण कर 4 करोड़ 99 लाख रुपए की लागत से प्रशासनिक भवन के निर्माण का कार्य शुरू कराया था लेकिन निर्माण में हुई देरी के साथ ही विभिन्न कारणों से इसकी लागत बढ़ गई थी। निर्माण हेतु

राशि खत्म होने के बाद निर्माण कार्य प्रभावित हो गया था। सत्ता परिवर्तन के बाद नगर निगम ने फिर से भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था। लम्बे इंतजार के बाद शासन से लगभग ढाई करोड़ रुपए की राशि जारी की गई थी। इसमें से 89 लाख रुपए विद्युतीकरण कार्य के

बेसमेंट पार्किंग के साथ बनाया गया भवन

नगर निगम के प्रशासनिक भवन का संचालन वर्ष 2005 से पानी टंकी के नीचे तलाक में हो रहा है लेकिन अब शहर की आबादी बढ़ने के साथ ही नगर के प्रशासनिक भवन के विस्तार की भी जरूरत महसूस हो रही थी। यही वजह है कि पिछली सरकार ने प्रशासनिक भवन निर्माण हेतु राशि स्वीकृत की थी। नगर के प्रशासनिक भवन का निर्माण लगभग 70 डिजिटल भूमि पर कराया जा रहा है। खास बात यह है कि नगर के नवनिर्मित भवन में बेसमेंट पार्किंग की सुविधा है जबकि ऊपर गाउंड फ्लोर के साथ ही दो मंजिल होगी। इस भवन में एम.आई.सी. सामान्य सभा के लिए विशाल समाकष का निर्माण कराया जा रहा है वहीं वीसी और अन्य विभागों बैठकों के लिए भी एक कक्ष है। भवन में महापौर, सभापति, नेता प्रतिपक्ष, एम.आई.सी. सदस्यों, आयुक्त के लिए कमरे होंगे। वहीं विभागों के संचालन हेतु पाटीशन के साथ केबिन का निर्माण किया जाएगा।

डेढ़ करोड़ की अतिरिक्त आवरयकता

नगर निगम के प्रशासनिक भवन के लिए अब तक लगभग साढ़े सात करोड़ रुपए की राशि जारी हो चुकी है और इससे निर्माण कार्य भी जारी है लेकिन बताया जा रहा है कि अभी भी लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की राशि कम पड़ रही है। नगर निगम के नवीन प्रशासनिक भवन में एक सर्व सुविधा युक्त मीटिंग हॉल के साथ ही अन्य सुविधाएं विकसित की जानी हैं। वर्तमान में जब निर्माण कार्य चल रहा है तो राशि मिलने पर इस कार्य को भी कराया जा सकता है जिससे अपने वाले समय में प्रशासनिक भवन और भी अग्र्य रूप ले सकेगा।

लिए है जबकि शेष डेढ़ करोड़ रुपए सिविल वर्क के लिए प्रदान किए गए। राशि मिलने के बाद एक बार फिर से कार्य में तेजी आई है। अधिकारियों का

कहना है कि भवन में 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुके हैं। वर्तमान में फिनिशिंग, फॉल सीलिंग, केबिन बनाने, बाउंड्रीवाल का काम चल रहा

जनवरी में होंगे शिफ्ट



प्रशासनिक भवन का निर्माण तेजी से चल रहा है। अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से काम पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। लगभग 80 प्रतिशत काम पूर्ण हो चुका है और उम्मीद है कि हम नए साल में अपने नवीन प्रशासनिक भवन में शिफ्ट हो जाएंगे।

—श्रीमती मंजूषा भगत महापौर, नगर

है। इसके बाद पेट्टे पुट्टे सहित अन्य कार्य किए जाने हैं। अधिकारियों ने ठेकेदार को भवन निर्माण का कार्य दिसम्बर अंत या जनवरी के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि नए साल की शुरुआत में नगर निगम का प्रशासनिक कार्यालय अपने नव निर्मित भवन में संचालित होगा।

गुंडागर्दी से आक्रोशित नगरवासियों ने कराया नगर बंद

वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान हुए मामूली विवाद ने लिया साम्प्रदायिक रंग

हरिभूमि न्यून सीतापुर

शादी समारोह में दो पक्षों में हुए मामूली विवाद ने सांप्रदायिक रंग के लिए। मारपीट और थाने में कराए

खास बात हजारों की संख्या में लोग उतरे सड़क पर

समझौता के बाद भी एक पक्ष के खि ला फ एफ.आई.आर

दर्ज करने से उरांव समाज भड़क उठा। इस दौरान उरांव समाज ने बड़ी संख्या में हथियारबंद लोगों द्वारा बस्ती में घुसकर गाली गलौज, मारपीट का आरोप लगाया। देर रात उत्पात मचाने के बाद लोग फरार हो गए। इधर इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने थाने का घेराव करने के साथ ही रात में लगभग तीन घंटे तक चक्का जाम किया। वहीं मंगलवार को भी कार्रवाई नहीं होने व पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज होकर समाज के लोगों ने नगर बंद करने के साथ ही चक्का जाम व धरना प्रदर्शन किया। इस आंदोलन को धरना विधायक राम कुमार टोप्पो ने भी समर्थन दिया। दिनभर चले आंदोलन के बाद 13 लोगों की गिरफ्तारी व कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद मामला शांत हुआ।

बताया जा रहा है कि शनिवार को एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान वार्ड क्रमांक 14 में स्थानीय और ग्राम रायकेरा टोकोपारा के युवकों में मामूली विवाद पर मारपीट हो गया था। इस घटना के दूसरे दिन रायकेरा



विरोध प्रदर्शन करते नगरवासी।

सुबह कराया नगर बंद, विधायक ने दिया समर्थन

देर रात तक चले आंदोलन के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी, उनका जुलूस निकालने जैसी मांगों को लेकर मंगलवार की दोपहर 12 बजे से नगर बंद कर दिया गया। इस नगर बंद को व्यापारी संघ व हिन्दू संगठनों का भी समर्थन मिला। नगर बंद के लिए रैली निकाली गई और थाने के सामने चक्का जाम किया गया। चक्काजाम की वजह से सड़क के दोनों तरफ वाहनों की कतार लगी गई थी। सवारी बस एवं मालवाहक गाड़ियां परिवर्तित मार्ग से आना जाना कर रही थी। लगभग तीन घंटे तक चले चक्का जाम के दौरान मौके पर विधायक रामकुमार टोप्पो एवं एडिशनल एसपी अमोलक सिंह दिल्ली मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाईस दी। इस दौरान लोगों का कहना था कि पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से नहीं लिया और लापरवाही दिखा। पार्श्व व नग्न उपस्थित विक्की नामदेव ने बताया कि वार्डवासियों ने इस घटना की आशंका जताई थी लेकिन सूचना के बाद भी पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की। मौके पर पहुंचे एसपी व विधायक की समझाईश के बाद दोपहर 3.30 बजे चक्का जाम व आंदोलन समाप्त हुआ।

टोकोपारा के युवक गुट बनाकर वार्ड क्रमांक 14 में पहुंचे थे जहां दोनों गुटों में फिर जमकर मारपीट हुई। सोमवार को हुए मामला तब ज्यादा गरमा गया जब रायकेरा टोकोपारा से मुस्लिम समाज के युवक काफी संख्या में थाने पहुंचे गए। वार्ड में दहशत और मारपीट की स्थानीय युवकों के विरुद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोप है कि

रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद सारे युवक बाइक एवं चार पहिया में सवार होकर वार्ड क्रमांक 14 पहुंच गए और गाली गलौज और मारपीट की। लगभग आधे घंटे तक वार्ड में आतंक मचाने के बाद सभी हथियारबंद युवक मौके से फरार हो गए। वार्ड में दहशत और मारपीट की घटना की खबर आग की तरह पूरे शहर में फैल गई और कुछ ही देर में

वार्डवासियों समेत सैकड़ों की संख्या में लोग रात को सड़कों पर उतर आए और थाने का घेराव कर दिया। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए लोगों ने थाने में जमकर हंगामा मचाया। इसके बाद भी लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और पूरी भीड़ थाने के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए रात 10.30 नेशनल हाईवे क्रमांक 43 जाम कर

इनकी हुई कार्रवाई

मौके पर पहुंचे एसपी अमोलक सिंह दिल्ली ने बताया कि इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तारी कर ली गई है। पुलिस ने मामले में हीरालाल कुजूर आ. दिवाबहा कुजूर 23 वर्ष, छोदू खान आ. बसिउद्दीन खान 24 वर्ष, आशिक खान आ. रोशन खान 20 वर्ष, सुहेल खान आ. जाबिर खान 24 वर्ष, अनिल कुजूर आ. दिलबहा कुजूर 18 वर्ष, रेसाल खान आ. नैसार खान 22 वर्ष, बाबू आलम आ. बलरू आलम 24 वर्ष, फैजुल्ला खान आ. जहिरुल्ला खान 33 वर्ष, सुरतजा आ. शब्बीर 28 वर्ष, मोहसिन खान आ. साधुर खान 21 वर्ष, जावेद अहमद आ. खुरशद अहमद 25 वर्ष, शाबिर हसन आ. जमाउद्दीन 36 वर्ष एवं अतीक खान आ. अमीन खान 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएसपी की धारा 296, 351(2), 115(2), 191(1), 191(3), 190, 331(7) एवं एचटी-एक्ससी एक्ट की धारा 3 (2) (5) (क) समेत 152.61 के तहत कार्रवाई की है। इसके साथ ही फरार चल रहे आरोपियों की तलाश जारी है।

दिया। प्रदर्शन कर रहे लोग आरोपियों की तलाक गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए थे। इस दौरान एसपी अमोलक सिंह दिल्ली मौके पर पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम को रवाना किया। घंटों की समझाईश और कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद देर रात 2 बजे चक्का जाम समाप्त हुआ।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराते हुए घर में जा घुसी, चालक की मौत

बिश्रामपुर। रविवार को हुए सड़क हादसे में कार चला रहे युवक की दर्दनाक मौत हो गई, घटना 30 नवंबर के शाम सात बजे आसपास की बताई गई है पुलिस ने प्रार्थी रामकुमार सिंह की रिपोर्ट पर मुक्त कार चालक सत्येंद्र के खिलाफ केस दर्ज किया है। दर्ज रिपोर्ट में प्रार्थी रामकुमार सिंह 29 वर्ष निवासी धरती पारा ने बताया कि मुक्त सत्येंद्र हुंडई कार क्रमांक डब्लू बी 06बी 3967 से शाम करीब सात बजे खोपा से वापस धरती पारा अपने घर जा रहे तभी रास्ते में धरती पारा मैन रोड में ही उतक कार को तेज व लापरवाही



पूर्वक चलाते हुए धरती पारा में सड़क किनारे पेड़ से टकरा कर लक्ष्मण चौधरी के घर में घुस गई जिससे उसका मकान क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में कार चला रहा सत्येंद्र कार के अंदर फंस गया गंभीर चोट आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कार से श्व को निकाल बिश्रामपुर अस्पताल भेजा गया। श्व पंचमामा पीएम उपचार बोर्डी परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से मुक्त के गांव में शोक व सन्नता पसर रही है।

नेशनल एकेडिशन बोर्ड फॉर टैस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज मानकों के अनुरूप दस्तावेजों की गहन समीक्षा

गुणवत्ता निरीक्षण के लिए पहुंचे केंद्रीय अफसर बिश्रामपुर लैब को मिला सकारात्मक फीडबैक

हरिभूमि न्यून बिश्रामपुर

क्षेत्रीय कोयला एवं गैस जांच प्रयोगशाला में नेशनल एकेडिशन बोर्ड फॉर टैस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज के वरिष्ठ असेसर गुणवत्ता निरीक्षण हेतु नरेश शर्मा पहुंचे, लैब में प्रवेश करने पश्चात नरेश शर्मा ने नेशनल एकेडिशन बोर्ड फॉर टैस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज मानकों के अनुरूप दस्तावेजों की गहन समीक्षा की।

उन्होंने परीक्षण प्रक्रिया, रिपोर्टिंग-कोडिंग, कैलिब्रेशन डेटा, सुरक्षा मानकों और रिपोर्टिंग फॉर्मेट तक को ध्यान से परखा, इसके बाद वे सीधे उपकरण अनुभाग की ओर बढ़े, जहां उन्होंने हर एक मशीन को परखते हुए उसकी कार्यक्षमता, रखरखाव और संचालन की प्रणाली का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि बिश्रामपुर लैब अपनी गुणवत्ता, अनुशासन और पारदर्शिता के मानकों पर बिल्कुल खरा उतरती है, यहां की टीम का प्रोफेशनल रवैया सराहनीय है। गुणवत्ता सुधार पखवाड़ा के दौरान उत्कृष्ट



प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को विशेष प्रशंसा पत्र और प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, पुरस्कार लेने

दौरान कर्मचारियों के चेहरों पर आत्मविश्वास दिखा, इसी क्रम में गुणवत्ता जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता समारोह में कोल कर्मियों के मन में ऊर्जा का संचालन हुआ, सही परीक्षण सही भविष्य, क्वालिटी हमारी पहचान जैसे नारे पढ़कर सभा में मौजूद लोगों की सुनाकर प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया गया, विजताओं को श्री शर्मा के हाथों पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि नेशनल एकेडिशन बोर्ड फॉर टैस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज असेसर का मार्गदर्शन और निरीक्षण न केवल तकनीकी गुणवत्ता की पुष्टि करता है, बल्कि टीम को बेहतर कार्य करने का निरंतर प्रेरणास्रोत भी है। कर्मचारियों ने भी खुलकर बताया कि ऐसे निरीक्षण से न सिर्फ कार्यप्रणाली सुधरती है बल्कि आत्मविश्वास भी कई गुना बढ़ जाता है, नेशनल एकेडिशन बोर्ड फॉर टैस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज के असेसर का सकारात्मक फीडबैक कर्मचारियों के लिए नई ऊर्जा बनकर सामने आया है।

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

शेष पृष्ठ 3 पर

खबर संक्षेप

6 वीं प्रवेश के लिए चयन परीक्षा 13 को बैकुण्ठपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय केनापारा बैकुण्ठपुर के प्राचार्य के द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा कक्षा 6 वीं सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए आवेदन किए गए अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र नवोदय विद्यालय के वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 13 दिसंबर को प्रातः 11.30 बजे कोरिया जिले के 5 एवं एमसीबी जिले के कुल 11 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित होगी। प्रवेश पत्र नहीं होने पर परीक्षा में सम्मिलित नहीं होने दिया जाएगा।

एसआईआर कार्य को गंभीरता से कराएं

मनेन्द्रगढ़। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल की निदेशिका और युवा कांग्रेस नेत्री पूनम सिंह ने मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को



लेकर एक महत्वपूर्ण अपील जारी की है। उन्होंने कहा कि एसआईआर सिर्फ एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि हर नागरिक की पहचान और अधिकार से जुड़ा सबसे अहम पहलू है, जिसे मजक में लेना आने वाले समय में बड़ी परेशानी का कारण बन सकता है। पूनम सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 की सर्वे सूची इसी पुनरीक्षण के आधार पर तैयार होगी और आने वाले वर्षों में मतदान से लेकर सरकारी योजनाओं, प्रमाण-पत्रों और दस्तावेजों में भी यही अद्यतन सूची महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि यदि तय समय-सीमा में लोग अपने परिवार के सदस्यों के फॉर्म भरकर जमा नहीं कराते और बीएलओ उन्हें ऑनलाइन अपडेट नहीं कर पाते हैं तो कई लोग भविष्य में मतदाता सूची से बाहर हो सकते हैं, इससे ना केवल मतदान का अधिकार प्रभावित होगा बल्कि कई सरकारी सुविधाएं भी बाधित हो सकती हैं। पूनम सिंह ने जिले के नागरिकों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक फॉर्म नहीं बल्कि आपका अधिकार, आपकी पहचान और भविष्य की तैयारी है।

सूर्यघर योजना: वेंडरों से मिलेगी जानकारी

बैकुण्ठपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत जिले में अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने बिजली विभाग को तत्परता से पहल करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजना का लाभ लेने वाले लोगों को अधिकृत वेंडरों के नाम और संपर्क नंबर तुरंत उपलब्ध कराए जाएं, ताकि हितग्राही सीधे उनसे संपर्क कर सकें और प्रक्रिया में तेजी आए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के लिए जिले में काफी संख्या में लोग ऑनलाइन पंजीयन करा रहे हैं। हितग्राहियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन द्वारा अधिकृत वेंडरों की सूची एवं उनके संपर्क नंबर जारी किए गए हैं।

गिरदावरी एवं डिजिटल क्राफ्ट सर्वे में संशोधन 15 तक

बैकुण्ठपुर। गिरदावरी एवं डिजिटल क्राफ्ट सर्वे से संबंधित प्रविष्टियों में संशोधन की अवाधि को शासन ने एक बार फिर बढ़ा दिया है। पहले यह समय-सीमा 30 नवंबर तक निर्धारित की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 15 दिसंबर तक कर दिया गया है। शासन ने निर्देशित किया है कि सभी संबंधित अधिकारी एवं मैदानी अमला पीवी ऐप के माध्यम से भौतिक सत्यापन उपरांत आवश्यक संशोधन कार्य समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें, ताकि सर्वे की प्रविष्टियां शुद्धता के साथ समय पर तैयार की जा सकें। इसके साथ ही कैरीफारवर्ड, डूबान क्षेत्र एवं वन पट्टाधारी कुषकों के पंजीयन के लिए एकीकृत किसान पोर्टल में समितियों को उपलब्ध कराए जाने वाले प्रावधान की अंतिम तिथि भी बढ़ाकर 15 दिसंबर कर दी गई है। पहले इसकी अंतिम तिथि 30 नवंबर निर्धारित थी।

वर्षाऋतु में दृश्य होता है भव्य व मनोहारी

घने जंगलों के बीच है स्थित, काफी संख्या में पहुंचते हैं पर्यटक

कर्म घोंघा जलप्रपात : प्राकृतिक सौंदर्य और अध्यात्मिक विरासत का है केन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैकुण्ठपुर

एमसीबी जिले के घने जंगलों और ऊंची पहाड़ियों के बीच स्थित कर्म घोंघा जलप्रपात इन दिनों जिले का प्रमुख आकर्षण बना हुआ है। हिसिया नदी का लगभग 100 फीट ऊंचाई से गिरता जलप्रपात अपने प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और फुहारों की मधुर अनुभूति से पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। वर्षा ऋतु में इसका भव्य दृश्य और अधिक मनोहारी हो जाता है।



जलप्रपात के समीप स्थित कर्मघोघेश्वर धाम इस स्थल की धार्मिक महत्ता को और बढ़ाता है। वर्ष 1986 में कटनी (म.प्र.) के कैलाश नारायण श्रीवास्तव द्वारा निर्मित यह मंदिर परिसर भगवान शिव, हनुमान जी और मां दुर्गा की प्रतिमाओं से सुशोभित है। महाशिवरात्रि पर कोरिया-एमसीबी जिले सहित पड़ोसी अनूपपुर (म.प्र.) से काफी



संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। पर्यटन/पुरातत्व अधिकारी डॉ. विनोद पांडेय ने बताया कि कर्म घोंघा क्षेत्र प्राकृतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। पक्की सड़क निर्माण के बाद यहां पर्यटकों की आवाजाही तेजी से बढ़ी है, जिससे इसे एक संगठित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित

करना आवश्यक हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यहां बुनियादी सुविधाएं सुरक्षित पाथवे, व्यू-पॉइंट, संकेतक बोर्ड, पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा

प्रबंधन और स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराए जाएं तो यह स्थल जिले के पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान बनाएगा। इसके साथ ही ट्रेकिंग, नेचर वॉक, रॉक क्लाइम्बिंग, फोटोपॉइंट और पिकनिक जोन जैसी गतिविधियां इसे और आकर्षक बना सकती हैं।

संगठित पर्यटन विकास से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के लिए स्वरोजगार और दुकानों गाइड सेवाओं जैसी संभावनाएं भी बढ़ेंगी। साथ ही प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र, कचरा प्रबंधन और जल वन संरक्षण जैसी व्यवस्थाएं इसे एक टिकाऊ इको-टूरिज्म साइट के रूप में स्थापित कर सकती हैं। कर्म घोंघा जलप्रपात मात्र एक पिकनिक स्पॉट नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति और अध्यात्म का संगम है। प्रशासन, पर्यटन विभाग और स्थानीय समुदाय के संयुक्त प्रयासों से यह स्थल जिले का सबसे आकर्षक पर्यटन केन्द्र बन सकता है।

ग्रामीणों में दहशत का माहौल, वन विभाग ने बनाई नजर

बैकुण्ठपुर क्षेत्र पहुंचा 11 हाथियों का दल

बैकुण्ठपुर/कटगोड़ी। कोरिया जिले के देवगढ़ रेंज के वन परिक्षेत्र में 11 हाथियों का दल लगातार मूवमेंट कर रहा है। यह दल विशुनपुर होते हुए ग्राम पंचायत दामुज के पास दुधनिया क्षेत्र से लगा और समरखाड़, हरियर तथा आसपास के छग प्लांटेशन क्षेत्र में डेरा जमाए हुए हैं।



विवरण कर रहा हाथी।

रात के समय हाथियों के गांवों की ओर बढ़ने की आशंका के चलते ग्रामीण दहशत में हैं और पूरी रात जागरण गश्त करने को विवश हैं। वन विभाग के कर्मचारियों ने अलर्ट जारी करते हुए ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें, किसी प्रकार की छेड़छाड़ न करें और रात के समय जंगल की ओर न जाएं। हाथियों की लगातार गतिविधि से आसपास के गांवों में भय का माहौल बना हुआ है। वन विभाग स्थिति पर निगरानी बनाए हुए हैं। वहीं 11 सदस्यीय हाथियों की लगातार मौजूदगी से क्षेत्र में तनाव और भय का वातावरण बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से अतिरिक्त पेट्रोलिंग और सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है।

रतजगा कर रहे ग्रामीण

कोरिया जिले के देवगढ़ रेंज के बैकुण्ठपुर वन परिक्षेत्र में इन दिनों 11 हाथियों का दल लगातार मूवमेंट कर रहा है। हाथियों की आवाजाही ग्राम विशुनपुर, दामुज, दुधनिया और समरखाड़ के आसपास देखी जा रही है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। रात के समय हाथियों के गांवों की ओर बढ़ने की आशंका से ग्रामीण पूरी रात जगा-जगा कर निगरानी (नाइट पेट्रोलिंग) कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाथियों का दल खेतों और आसपास के जंगल क्षेत्रों में घूम रहा है, जिससे फसल और घरों को नुकसान की आशंका बढ़ गई है।

ग्रामीणों को सतर्क कर रहा विभाग

वन विभाग कोरिया की टीम द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और ग्रामीणों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे भीड़ इकट्ठी न करें, हाथियों के निकट न जाएं और किसी भी स्थिति की जानकारी तुरंत बीटगार्ड या वन अमले को दें।

कन्या शाला का स्पेस लैब बना आकर्षण का केन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैकुण्ठपुर

शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुण्ठपुर का स्पेस एजुकेशन लैब इन दिनों पूरे जिले में आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।



कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में स्थापित थ्रु कैप्टन शुभांशु शुक्ला स्पेस एजुकेशन लैब का उद्घाटन बीते 7 अक्टूबर को राज्यपाल द्वारा किया गया था। उद्घाटन के बाद से ही विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा इस लैब का लगातार भ्रमण किया जा रहा है। अब तक 1500 से अधिक विद्यार्थी स्पेस लैब का भ्रमण कर चुके हैं। भ्रमण करने वाले विद्यालयों में माध्यमिक शाला पुलिस लाइन, माध्यमिक शाला भाड़ी, ठाकुर अजय सिंह विद्यालय बैकुण्ठपुर, माध्यमिक शाला उरूमदुगा, माध्यमिक शाला जगमहाल, माध्यमिक शाला जनकपुर, माध्यमिक शाला कुड़ेली, ज्ञानकुंज तथा डीपीएस विद्यालय बैकुण्ठपुर के छात्र-छात्राएं शामिल हैं। विद्यालय के प्राचार्य एएल गुप्ता ने बताया कि यह स्पेस लैब छात्रों की जिज्ञासा, वैज्ञानिक सोच और नवाचार क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह सुविधा विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक एवं अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में नई संभावनाओं से जोड़ रही है। स्पेस लैब के माध्यम से छात्र-छात्राएं व्यवहारिक प्रयोगों के जरिए अंतरिक्ष विज्ञान को और बेहतर ढंग से समझ पा रहे हैं। स्पेस लैब प्रभारी

श्रीमती जिज्ञासा दुबे तथा सहयोगी शिक्षिका श्रीमती अनुश्री देव द्वारा विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों को स्पेस लैब के अंतर्गत मौजूद विज्ञान आधारित प्रोजेक्ट, रॉकेट मॉडल, सैटेलाइट डेमो, टेलीस्कोप, श्री डी प्रिंटर, वर्चुअल रियलिटी उपकरण, रोबोट एवं नॉडल किट की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। लैब में मौजूद वर्चुअल रियलिटी सिस्टम विशेष आकर्षण का केन्द्र है। बच्चे और शिक्षक/शिक्षिकाएं इसके माध्यम से

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग प्रक्रिया को श्री डी अनुभव के साथ देखते हुए अत्यंत आनंदित होते हैं। यह स्पेस लैब नई पीढ़ी को प्रेरित कर रही है ताकि वे भविष्य में अंतरिक्ष वैज्ञानिक, इंजीनियर, टेक्नोलॉजिस्ट अथवा शोधकर्ता बनने की दिशा में आगे बढ़ सकें। विद्यालय प्रशासन ने उम्मीद जताई कि यह परियोजना जिले में विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति रुचि को और अधिक प्रोत्साहित करेगी।

किसानों को बिना परेशानी खरीदी सुनिश्चित करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

खाद्य, मार्कफेड व सहकारिता अधिकारियों को फटकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैकुण्ठपुर

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिले के 21 धान उपजर्जन केन्द्रों में चल रही खरीदी व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। समय-सीमा बैठक से पहले आयोजित इस समीक्षा में कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों से सीधे सवाल-जवाब कर खरीदी की वास्तविक स्थिति जानी। कलेक्टर ने जानकारी ली कि अवैध या संदेहास्पद धान खरीदी केन्द्रों तक पहुंचने पर किस प्रकार जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी पूछा कि धान लेकर आने वाले वाहनों और चालकों की फोटो अपलोड की जा रही है या नहीं, धान की गुणवत्ता परीक्षण कितनी पारदर्शिता से हो रहा है, तथा भूमि स्वामी के पट्टा, ऋण पुस्तिका और रकबा समर्पण की जांच कितनी सजगता से की जा रही है।



नोडल अधिकारियों की बैठक लेती कलेक्टर चंदन त्रिपाठी।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों को किसी प्रकार की समस्या न आए, यह सुनिश्चित करना हर अधिकारी और समिति प्रबंधक की जिम्मेदारी है। समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने खाद्य, मार्कफेड और

सहकारिता विभाग के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप धान खरीदी प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता और सुगमता के साथ संचालित किया जाना चाहिए। उन्होंने

चेतावनी दी कि किसी भी परिस्थिति में बारदाना की कमी स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि सरकार किसानों के एक-एक दाने की खरीदी के प्रति प्रतिबद्ध है, परंतु फर्जी, बोगस और अवैध धान खरीदी पर पूर्ण विराम लगाया जाएगा। उन्होंने 15 नवंबर से अब तक केन्द्रवार खरीदी गई धान की मात्रा की भी जानकारी ली और कहा कि सभी एसडीएम और तहसीलदार फर्जी व अवैध धान बिक्री तथा परिवहन पर कड़ी नजर रखें। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि किसानों को बिल्कुल भी परेशान न किया जाए और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में संपन्न हों। बैठक में अपर कलेक्टर सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य, डीडी मंडावी, संयुक्त कलेक्टर अमित गुप्ता, श्रीमती दीपिका नेताम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस धान खरीदी, 40 बोरी जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैकुण्ठपुर

धान उत्पादन प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन द्वारा की जा रही सतत निगरानी के बीच पटना क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई की गई है।



गोदाम ग्राम पटना के गायत्री चौक में स्थित प्रदीप साहू की दुकान में बिना लाइसेंस अवैध रूप से धान खरीदी की जा रही थी। सूचना मिलने पर पहुंची जांच टीम ने मौके से 40 बोरी धान जब्त किया। अधिकारियों ने अवैध खरीदी की पुष्टि होने पर दुकान में रखे गोदान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। टीम द्वारा दुकान संचालक

से आवश्यक दस्तावेजों की मांग की गई, परंतु वैध लाइसेंस और खरीदी संबंधी रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किए जा सके। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि जिले में धान खरीदी को सुव्यवस्थित रखने तथा किसानों के हितों की रक्षा के लिए अवैध धान खरीदी पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। अनाधिकृत खरीदी-फरोख्त

में संलिप्त व्यक्तियों पर कठोर कानूनी कदम उठाए जाएंगे। इस कार्रवाई से क्षेत्र में संदेश गया है कि उपाजर्जन व्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने किसानों से भी अपील की है कि वे अपना धान केवल वैध उपाजर्जन केन्द्रों में ही बेचें।

धौरा टिकिरा में 27 बोरी रिजेट, जामपारा में 14 विटल जब्त

जिले में धान खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर सघन जांच की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को जिले के विभिन्न स्थानों पर अवेध एवं मानक से बाहर धान के मामलों में कार्रवाई की गई।



धान खरीदी केन्द्र धौराटिकिरा में जांच के दौरान 27 बोरी धान को रिजेट किया गया। गुणवत्ता परीक्षण में निर्धारित मानकों पर खराब न उतरने पर समिति ने इसे खरीदी के लिए अनुपयुक्त पाया। इसी प्रकार धान खरीदी केन्द्र जामपारा में 14 विटल पुराना धान पकड़ा गया। धान के पुराने

होने और मानक के अनुरूप न होने के कारण इसे जब्त कर समिति के सुपुर्द किया गया। संबंधित जानकारी सार्पक ऐप में सबमिट कर दी गई है। वहीं सरभोक चौक स्थित जगह किराना

स्टोर्स से लगभग 300 बोरी धान की जब्त की गई। प्रारंभिक जांच में धान के अवेध भंडारण और डिब्बी की आशंका व्यक्त की गई है। मामले को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को हस्तांतरित किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवेध रूप से धान की खरीद-बिक्री, भंडारण या पुराने धान की आपूर्ति करवाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अपने वैध टोकन और पंजीयन के अनुसार ही धान लेकर उपाजर्जन केन्द्रों में आए।

नवनिर्वाचित सरपंचों के लिए जल जीवन मिशन पर प्रशिक्षण



मनेन्द्रगढ़। ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केन्द्र मनेन्द्रगढ़ में 1 दिसंबर को नवनिर्वाचित सरपंचों के लिए आयोजित तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जल जीवन मिशन पर विशेष सत्र आयोजित किया गया।

एवं सत्यापन की चरणबद्ध प्रक्रिया तथा पंचायत स्तर पर आवश्यक दस्तावेजों की तैयारी को व्यवहारिक उदाहरणों के साथ समझाया। इसके साथ ही जल गुणवत्ता परीक्षण की विधि, जल प्रदूषण रोकथाम, अवसंरचना के नियमित रख-रखाव और ग्रामवासियों की सहभागिता बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई। जल संरक्षण के महत्व को भी विशेष रूप से रेखांकित किया गया। सत्र में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी सरपंचों ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की और प्राप्त ज्ञान को ग्राम स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस महत्वपूर्ण सत्र में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के विशेषज्ञों ने पेयजल आपूर्ति प्रणाली के संचालन, संधारण तथा ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित जल व्यवस्था की प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। विशेषज्ञों ने छग शासन के राजपत्र में उल्लेखित प्रावधानों, पेयजल प्रणालियों के प्रमाणीकरण

104 हितग्राहियों को 12.48 लाख की राशि हस्तांतरित

बैकुण्ठपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत कोरिया जिले में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कार्य पूर्ण कर चुके 104 हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 12 हजार रूपए प्रति हितग्राही की दर से कुल 12 लाख 48 हजार की राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेंचिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है। यह राशि जिले की दोनों जनपद पंचायतों के लाभार्थियों को प्रदान की गई है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार पात्र हितग्राहियों को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की स्वीकृति दी गई थी। स्वच्छ भारत मिशन (क्रामीण) की जिला

समन्वयक ने बताया कि जिले में स्वच्छता को बढ़ावा देने और खुले में शौचमुक्त (ओडीएफ) स्थिति को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों की मदद से लाभार्थियों ने निर्धारित मानकों के अनुरूप समय पर शौचालय निर्माण कार्य पूर्ण किया और जनपद पंचायत में कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया। निर्माण कार्यों की जांच के बाद सभी 104 लाभार्थियों के खातों में प्रोत्साहन राशि हस्तांतरित कर दी गई है। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शेष पात्र हितग्राहियों के निर्माण कार्यों का सत्यापन कर समयबद्ध रूप से राशि भुगतान सुनिश्चित करें।



खबर संक्षेप

विद्या निकेतन सरहरी के छात्र-छात्राओं को मैनपाट का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

विद्या निकेतन सरहरी के छात्र-छात्राओं को मैनपाट का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। बच्चों ने कहा मैनपाट को सिर्फ पुस्तक में ही पढ़ते थे लेकिन आज भ्रमण करने अवसर मिला है जिससे हम सभी लोगों को बहुत कुछ सिखने को मिला, प्रकृति की मनोरम दृश्य देख कर बहुत खुश हुए। स्कूल के प्रधान पाठक सुमन कुशवाहा द्वारा मैनपाट का सैर कराया गया, बच्चों ने जलजली में खूब उछल-कूद की। साथ ही भ्रमण के दौरान मैनपाट के सभी प्वाइंट को देखे। ब्रिज मोहन सोनपाकर ने बताया कि मैनपाट छत्तीसगढ़ का शिमला है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक ठंड मैनपाट में ही लगता है। उल्टा पानी को बच्चों ने देख कर आश्चर्यचकित हो गए। कुमारी प्राथना, रागिनी मिश्रा व अन्य सभी छात्र छात्राओं ने कहा कि हम लोग सिर्फ किताबों में मैनपाट को पढ़ते थे लेकिन आज प्रत्यक्ष रूप से मैनपाट का भ्रमण किए बहुत ही अच्छा लगा। बच्चों ने मैनपाट में बसे तिब्बतियों से मुलाकात की और बुद्ध मंदिर का भी दर्शन किया। इस दौरान आकांक्षा चौबे, ब्रिजमोहन सोनपाकर, काजल कुशवाहा, रुपा सिंह, दुर्गेश्वरी कुशवाहा, प्रिया सहित अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

संविधान गरीबों एवं वंचितों का सुरक्षा कवच और उनकी शक्ति है - परवेज आलम गांधी

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विभागीय के प्रदेश महासचिव परवेज आलम गांधी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर सहित उन सभी महान निर्माताओं का नमन करता हूँ जिन्होंने हमें प्रजासिद्धि, समावेशी और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा, संवैधानिक मूल्यों का सम्मान और जनता के अधिकारों की सुरक्षा ही हमारे राष्ट्र की असली शक्ति है। संविधान गरीबों और वंचितों का सुरक्षा कवच है, उनकी शक्ति है। संविधान एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के प्रत्येक नागरिक की गरिमा, अधिकारों और समानता की नींव है।

पेज 1 के शेष...

मागी हंगामे और विरोध...

गाम सभा हुई। मैनपाट में बॉक्सहाइट उत्खनन से पर्यावरण को सीधा नुकसान होगा और जल स्रोत पर इसका असर पड़ेगा। कंपनी खनिज निकालकर बड़े बड़े गड्ढे खोदकर चली जाती है। खनन से मैनपाट में पर्यटन को नुकसान होगा और यहां के मोले माले आदिवासियों का शोषण किया जाएगा। मागी गडहमा गडहमा और हंगामे के बीच देर शाम तक जन सुनवाई को प्रकिया पूर्ण की गई जिसमें 277 लोगों ने मौखिक और लिखित रूप से अपने विचार रखे हैं।

नौकरी लगाने के नाम पर...

ने हट्टा आश्वासन दिया कि काउंसिलिंग ने नाम आ जाएगा। इसी बीच संतोष सिंह ने नौकरी पकड़ी करने के बहाने फिर से 320000 रुपये प्रार्थी हमिद से 50000 रुपये लिए और रामेश्वर प्रसाद ने भी नकद ले लिए। इस तरह कुल 809000 रुपये की ठगी युक्त से दोनों ने मिलकर कर ली। प्रार्थी ने बताया कि जब उसने बाबा-शार पैसे लौटाने की बात की, तब संतोष सिंह ने स्टैंड बैंक ऑफ इंडिया के दो चेक दिए, लेकिन खाते में पैसे नहीं धुईं बरत की बात कहकर चेक जमा न करने की सलाह देता रहा। अंतः प्रार्थी हमिद ने मामले की शिकायत थाना में दी, जिस पर पुलिस ने मामले में धारा 420, 34 के तहत जर्म दर्ज कर लिया है। पुलिस ने पिछले दिनों संतोष सिंह को निरपत्ता कर व्याख्यान पेश किया था आज दूसरे फरार आरोपी जीआरपीएफ जवान रामेश्वर प्रसाद को बिष्नापुर में पुलिस ने आज उसके बिष्नापुर में परिचित के यहां आने की सूचना पर उसे रोकावटी कर निरपत्ता कर व्याख्यान पेश कर दिया है।

आप परेशान क्यों हैं? वारसी शिफा

खाना रूहानी जड़ी-बूटी द्वारा इलाज
अगर दवा काम नहीं करती तो आज ही मिलिए हमीरुलक जनाब वारसी साहब के साहबाने है अपने बालिक से 35 वर्ष का अनुभव प्राप्त कर कई लोगों से तब देते आ रहे है उनके वे ओलादी के औषध प्राप्त हुई किन्ती मो सावा का बुरा अरुह नुत-प्रेत, पति-पत्नी के झगड़े, नोकबत, रिगानी पेशवाणी, कारवाही में बरबत के लिए, नती न दखला, सामाजी, रूहानी एवं जड़ी-बूटी द्वारा
बीमारीयों से छुटकारा पाने के लिए मिलिए।
परामर्श शुल्क मात्र 500 रु.
मिलने का समय:- सुबह 09 बजे से 11 बजे तक
पता - वारसी गौजल, नगानावा प्रेशा द्वार, रवही अदुत रूहोर चौक
वारसी नगर दिग डेड अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)
मो. 9753266386

गुप्त रोग का 100% शक्ति इलाज

गुप्त रोग, नामदी, नपुंसकता, शीघ्रपतन, रजन्दोष, धातु गिरना, जलन, छोटापन, देहापन, सिफिस गनीरिया सभी प्रकार के गुप्त रोगों की आयुर्विद्य दवा द्वारा शक्ति इलाज किया जाता है।
लिंग वधक का गुप्त रोग भी उपलब्ध बिना आपरेशन के
अण्डकोष, बवासीर, भगंदर का गार्दरी के साथ आयुर्विद्य दवा द्वारा इलाज 25 साल से स्थायी
संपर्क - विश्वास औषधालय बिलासपुर रोड, लक्ष्मीपुर शास.स्कूल के पास अम्बिकापुर - मोबा. 7898942870
समय - सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक

डॉ. रीनक कलानी
M.Ch, Ms, ATLS, M.B.B.S
प्लास्टिक, कॉस्मेटिक एवं नाइक्रोजर्जल
विशेषज्ञता - हेमरॉयड, लीजिस्तेरिया एवं नाइक्रोजर्जल
दिनांक - 29 नवंबर, 2025
समय - सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक
संजीवनी केसर केयर हॉस्पिटल, रायपुर के वरिष्ठ और अनुभवी विशेषज्ञ
डॉ. विकास अग्रवाल
Laparoscopic and Organ Preserving Surgeries
MBBS, DRNB, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS
दिनांक - 06 दिसंबर 2025, रविवार
समय - सुबह 9 बजे से 12 बजे तक
डॉ. फिरोज़ी हॉस्पिटल
MULTI SPECIALTY SURGICAL HOSPITAL
खरसिया नाका अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा

14 करोड़ की लागत से बन रही जगावल मार्ग गुणवत्ता को दरकिनार कर सड़क निर्माण करने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ प्रतापपुर

जगावल मुख्य मार्ग की हालात दयनीय और जर्जर होने तथा क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से सड़क निर्माण किए जाने की मांग पर कुछ माह पूर्व ही करोड़ों की लागत से सड़क निर्माण शुरू किया गया। हैरानी की बात तो यह है कि लंबे समय बाद क्षेत्र में पक्की सड़क निर्माण शुरू किया गया लेकिन गुणवत्ता का खयाल नहीं दिया। आलम है कि सड़क निर्माण कार्य मलबे से डब्ल्यूबीएम कर किया जा रहा है जिसे देख क्षेत्र के लोगों में काफी आक्रोश है। लोगों ने सड़क की गुणवत्ता की जांच तथा ठेकेदार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर ग्रामीणों ने आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत चंदौरा-पकनी-जगावल मार्ग पर 14 करोड़ रुपए से कुछ माह पूर्व ही 14 किलोमीटर सड़क निर्माण शुरू किया गया। ग्रामीणों की 20-25 साल से लंबित मांग पर शुरू हुआ यह निर्माण अधिकारियों के देखरेख के अभाव में भ्रष्टाचार की भेट चढ़ गई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सड़क में जेसीबी से निकाला गया पुराना मलबे को ही वापस भरकर डब्ल्यूबीएम जेसीबी से तैयार किया जा रहा है। ऐसे में न तो गुणवत्ता की चिंता और न ही मानक अनुसूचि निर्माण किया जा रहा है। मिट्टी, गिट्टी और मलबे का फर्क मिटा कर जैसे-तैसे सड़क बनाई जा रही है। ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि सड़क



सड़क का निरीक्षण करते जनप्रतिनिधि व ग्रामीण।

निरीक्षण में पाया गुणवत्ताहीन निर्माण

जगावल मार्ग पर बन रही सड़क की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि बीडीएस चंद्रदेव सिंह, सरपंच मंगल सिंह, सूरज लाल यादव, सुदामा यादव, गोवर्धन राजवाड़े, राम अवतार, बैजनाथ सिंह, हरिहर प्रसाद, कमलेश, रामेश्वर प्रसाद, शंभू सिंह सहित अन्य ने मौके पर सड़क की गुणवत्ता की जांच की। निरीक्षण के दौरान सड़क की गुणवत्ता घटिया पाई गई। जनप्रतिनिधि सहित ग्रामीणों ने ठेकेदार द्वारा नमनानी तरीके से निर्माण करने तथा अधिकारियों द्वारा निरीक्षण नहीं करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों को कहना है कि मौके पर न कोई अधिकारी है न कोई इंजीनियर द्वारा सड़क की गुणवत्ता की गुणवत्ता की जांच की। ग्रामीणों ने सड़क की गुणवत्ता की जांच कि जाने की मांग की है।

कितना टिकाऊ होगा। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जगावल मुख्य मार्ग से छोटे वाहन सहित कई यात्री बसे आवागमन करती है। ऐसे में घटिया सड़क निर्माण से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि सड़क

लंबे समय बाद बन रही सड़क

जगावल मुख्य मार्ग पर सड़क निर्माण लंबे समय बाद की जा रही है। पूर्व में इन सभी गांव में नक्शाली गतिविधियां थीं तब से लेकर आज तक यहां का सड़क निर्माण की मांग गामोण करते आ रहे थे। जगावल गांव में पूर्व में मुख्यमंत्री का हेल्थकॉन्टैक्ट रूक था तभी सड़क निर्माण की मांग की गई थी तब से लेकर आज तक गांव वालों को सड़क निर्माण के लिए इस्का लंबा इंतजार करना पड़ा था। अब जब प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क बनाई जा रही है तो निर्माण इतना घटिया है कि मानक अनुरूप नहीं किया जा रहा है। घटिया सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

अनिश्चितता की मिली है शिकायत

जगावल मार्ग पर बन रही सड़क को लेकर अनिश्चितता की शिकायत मिली है। ठेकेदार द्वारा गुणवत्ताहीन निर्माण किया जा रहा है तो इसके लिए टॉम गठित कर जांच की जाएगी। जांच उपरान्त ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

-आरपी महेश्वरी
हैड प्रमाणमंत्री सड़क योजना

शुरू किया गया। सड़क निर्माण शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होने की आस जगी लेकिन घटिया सड़क निर्माण ने लोगों के आस पर पानी फेर दिया है। जिस तरह से सड़क गुणवत्ताहीन बनाई जा रही है उससे कुछ माह बाद फिर से सड़क पूर्व की भांति जर्जर हो जाएगी। क्षेत्र के लोगों ने निर्माणधीन सड़क की गुणवत्ता की जांच करने तथा जांच उपरान्त दोषी पाए जाने वाले ठेकेदार व संबंधित विभाग के अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

जिला स्तरीय आवासीय कुडो आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर



रामानुजगंज। विज्ञान सशक्तिकरण एवं मुक्ति, स्वच्छता और जन-जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष मुंद्रिका सिंह ने कहा है कि आत्मरक्षा का प्रशिक्षण आज के समय की आवश्यकता है, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर, सक्षम और सुरक्षित बनाता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट कुडो एसोसिएशन के चेयरमैन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अध्यक्ष श्रीमती शर्मिला गुप्ता ने की। कार्यक्रम का संचालन समिति द्वारा डिस्ट्रिक्ट कुडो एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास दोहरे एवं सचिव दिलीप गुप्ता व अमन गुप्ता साथ ही मुख्य प्रशिक्षक संसई रोशन लाटिया के नेतृत्व में हुआ। समिति अध्यक्ष विकास दोहरे ने समस्त अतिथियों, प्रशिक्षकों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं उपस्थित लोगों का आभार प्रकट किया। इस दौरान बुधोनारायण गुप्ता, सुखदेव सिंह, शशिषेक पुशाम, प्रदीप शशिधर्य, शिवशंकर यादव, रामचंद्र ठाकुर, रोशन लकड़ा एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

नशा खिलाड़ियों ने दिखाया आत्मविश्वास और नारी सशक्तिकरण का दिया संदेश।

हैड हाइजीन व संक्रमण रोकथाम हेतु नर्सिंग स्टाफ को दिया गया प्रशिक्षण



हरिभूमि न्यूज ▶▶ अम्बिकापुर

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंधित चिकित्सालय में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सी ए न ई सेल की ओर से मंगलवार को हैड हाइजीन एवं संक्रमण रोकथाम विषय पर सफाई कर्मचारियों और नर्सिंग स्टाफ एवं नर्सिंग छात्राओं के लिए जागरूकता एवं कौशल संबंधित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थान में स्वच्छता, सुरक्षित कार्य पद्धतियों और एचआईवी-एड्स संबंधी वैज्ञानिक जानकारी को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की शुरुआत अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या ने की। उन्होंने अस्पताल में संक्रमण रोकथाम के लिए हाथ स्वच्छता की अनिवार्यता और स्वास्थ्य कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। नोडल अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता ने एड्स से संबंधित जानकारी, इसके कारण, रोकथाम, मिथक एवं वास्तविकताओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने उपस्थित स्टाफ को नवीनतम दिशानिर्देशों और जागरूकता के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के अगले चरण में

एचआईवी से लड़ाई, ज्ञान ही सुरक्षा, विध्व एड्स दिवस पर किया गया जागरूकता कार्यक्रम



हरिभूमि न्यूज ▶▶ अम्बिकापुर

शंकरगढ़। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर अरुण प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय में गृह रेड क्रांश युनिट द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. पुनीत कुमार राय के निदेशन में हुए इस कार्यक्रम ने छात्रों को एचआईवी की जटिलता, वैज्ञानिक संरचना, संक्रमण तंत्र और बचाव के आधुनिक तरीकों से अवगत कराया। वॉलेंटियरों ने शब्दा, लेखा मैत्री, निकिता करकेट्टा और मीनिका सिंह ने एचआईवी की वैज्ञानिक संरचना को छात्रों के लिए सरल, रचनात्मक और उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया। रेड क्रांश प्रमोटी सुरेश रवि ने युवाओं को संवेदनशील बनाने हुए बताया कि तेज रफ्तार जितन, गलत जानकारी, झिझक और नियमित स्वास्थ्य जांच न कराना, यही कारण है कि युवा एचआईवी का सबसे आसान लक्ष्य बन जाते हैं। इस दौरान मनीषा कुजूर, अमरवती भगत, मारियालुप इक्का, अखिलेश सिंह, शालिनी सिंह, विद्यालती सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

परीडा ने किया। इस अवसर पर उप अधीक्षक डॉ. बीआर सिंह, मैट्रन सीएस लाल, डाइटिशियन सुमन सिंह, सीएनई सेल की अध्यक्ष दीपा तिरुकी तथा सेल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सरगुजा मार्केट

संभागा के एकमात्र डाइबिटीज याइसराइड इंडीक्रिनोलॉजिस्ट अब अम्बिकापुर में
डॉ. संजीत जायसवाल
MD, DM (Endocrinologist)
डाइबिटीज, याइसराइड, गोटापा, गाढवाही में समस्या, नपुंसकता, लि-संतामता, हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल की समस्या, हड्डियों की कमजोरी एवं देहापन, छोटे कद की समस्या के लिये उपचार्य हेतु उपलब्ध
दिनांक - 7 दिसम्बर 2025, रविवार
नोट - डॉ प्रत्येक माह के पहले रविवार को उपलब्ध रहेंगे।
संपर्क- विद्या हायमोनैटिक एण्ड सुपर स्पेशलिटी सेंटर
पाटस हाइटस गेहू बाड़ी, सी.एम.ओ.
ऑफिस को बगल में दर्टीया, अम्बिकापुर
अग्रिम पंजीयन के लिए 758 7722255 पर सम्पर्क करें।

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध एवं सीनियर
मूत्र रोग विशेषज्ञ
परामर्श एवं ऑपरेशन हेतु
डॉ. राहुल कपूर
(Laparoscopy Urologist) दिनांक 26 नवम्बर 2025 दिन - बुधवार
उपलब्ध सुविधाएं
- अणुतम काटने से डरना।
- दूरबीन से (मिनि-पेन) पथक ऑपरेशन
- किडनी स्टोन, हिडनी नली का बन्दे, BPH प्रोस्टेट ग्रंथि का ऑपरेशन
- पेसाज सरतों का सिस्चुल
- किडनी, पेसाज बीनी, अंडकोष, प्रोस्टेट कैंसर का इलाज
अग्रिम रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। (O.P.D.) 8225888500
दूरबीन पद्धति से मूत्र रोग बीमारियों की जांच एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध।

तहसीलदार अम्बिकापुर, सरगुजा
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोपाल सहाय आ. बदेन सहाय निवासी गाम सुभाषनगर तहसीली अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा गाम सुभाषनगर स्थित सखरा नंबर 212/1 रकबा 0.570 हे. भूमि में से 05 डिसेम्बर 2025 को अनावेदक रमेश राय आ.व.व. फूलचंद राय निवासी गाम सुभाषनगर तहसीली अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के पास अंकन कारी रूपये 7,00,000/- में बिक्री करने का सीध तय कर बिक्री अनुमति हेतु आदेश पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो आज एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संक्षिप्त में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो जगावल दिनांक 24.12.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अधिकांक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समन-सिद्धा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक- 06/11/2025 को हेतु हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदच्युत से जादी।
तहसीलदार अम्बिकापुर, सरगुजा

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध एवं सीनियर
मूत्र रोग विशेषज्ञ
परामर्श एवं ऑपरेशन हेतु
डॉ. राहुल कपूर
(Laparoscopy Urologist) दिनांक 23 नवम्बर 2025 दिन - रविवार
समुगुजा के सर्वप्रथम स्प्राईन एवं ग्रेन विशेषज्ञ
डॉ. अभित मुखर्जी
M.S., M.Ch Neuro Mumbai
श्री अणुतम सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, रायपुर
दूरबीन से स्प्राईन, रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की सुविधा उपलब्ध।
हॉस्पिटल परिसर में सुसज्जित।
दिनांक 23 नवम्बर 2025 दिन - रविवार
समुगुजा के सर्वप्रथम स्प्राईन एवं ग्रेन विशेषज्ञ
डॉ. अभित मुखर्जी
M.S., M.Ch Neuro Mumbai
श्री अणुतम सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, रायपुर
दूरबीन से स्प्राईन, रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की सुविधा उपलब्ध।
हॉस्पिटल परिसर में सुसज्जित।
दिनांक 23 नवम्बर 2025 दिन - रविवार
समुगुजा के सर्वप्रथम स्प्राईन एवं ग्रेन विशेषज्ञ
डॉ. अभित मुखर्जी
M.S., M.Ch Neuro Mumbai
श्री अणुतम सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, रायपुर
दूरबीन से स्प्राईन, रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की सुविधा उपलब्ध।
हॉस्पिटल परिसर में सुसज्जित।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. /R-121/2025-26
ईस्टहाट
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोपाल सहाय आ. बदेन सहाय निवासी गाम सुभाषनगर तहसीली अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा गाम सुभाषनगर स्थित सखरा नंबर 212/1 रकबा 0.570 हे. भूमि में से 05 डिसेम्बर 2025 को अनावेदक रमेश राय आ.व.व. फूलचंद राय निवासी गाम सुभाषनगर तहसीली अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के पास अंकन कारी रूपये 7,00,000/- में बिक्री करने का सीध तय कर बिक्री अनुमति हेतु आदेश पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो आज एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संक्षिप्त में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो जगावल दिनांक 24.12.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अधिकांक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समन-सिद्धा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक- 06/11/2025 को हेतु हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदच्युत से जादी।
तहसीलदार अम्बिकापुर, सरगुजा

रायपुर के सुप्रसिद्ध नस्रिक रोग विशेषज्ञ
डॉ. आयु जैन
MBBS, M.S., M.Ch Neurologist
दिनांक 07 दिसम्बर, दिन रविवार
एसआरएस हॉस्पिटल
10 बजे से शाम 2 बजे तक
सीटी हॉस्पिटल
12 बजे से 1 बजे तक
नमनाकला, अम्बिकापुर
गायत्री हॉस्पिटल
शाम 3 बजे से 7 बजे तक

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध एवं सीनियर
मूत्र रोग विशेषज्ञ
परामर्श एवं ऑपरेशन हेतु
डॉ. राहुल कपूर
(Laparoscopy Urologist) दिनांक 26 नवम्बर 2025 दिन - बुधवार
उपलब्ध सुविधाएं
- अणुतम काटने से डरना।
- दूरबीन से (मिनि-पेन) पथक ऑपरेशन
- किडनी स्टोन, हिडनी नली का बन्दे, BPH प्रोस्टेट ग्रंथि का ऑपरेशन
- पेसाज सरतों का सिस्चुल
- किडनी, पेसाज बीनी, अंडकोष, प्रोस्टेट कैंसर का इलाज
अग्रिम रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। (O.P.D.) 8225888500
दूरबीन पद्धति से मूत्र रोग बीमारियों की जांच एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध।

नजात की तर महविद्यालय में आयोजित प रि क् रे स्त री य ए थ ले टि व स प्रतियोगिता में शा न दा र प्रदर्शन किया है। ऊंची कूद में लक्ष्मी राजवाड़े, ट्रिपल जम्प में सुशर्वा रानी सिंह और 200 मीटर लम्बी दौड़ में ममता राजवाड़े प्रथम रहीं वहीं लम्बी कूद में सुशर्वा रानी सिंह द्वितीय स्थान हासिल किया। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को गार्स कॉलेज की प्राचार्य एचजेन टोप्यो ने मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

TOP IN SURGUJA
पचा आष मी प्देषान है इन सब के ?
वेस्टे या पुरे शरीर में सूजन
पेशाब में जलन
यूरिया, क्रिएटिन का बढ़ना
पेशाब कम आना या प्रोटीन आना
पेशाब का रंग लाल होना
होश और धाँस में कमजोरी
जराबिदिक किडनी
किडनी स्टोन
गायत्री हॉस्पिटल
MULTISPECIALTY HOSPITAL
बनास रोड, पी.जी. कॉलेज रोड के सामने, अम्बिकापुर (छ.ग.)
19424250281 | 8120906000 | 8120809000 |
किडनी रोग विशेषज्ञ
डॉ. क्रमश गुप्ता
MD Medicine, DM Nephrologist
Gold Medalist
समुगुजा संभागा के पहले नेफ्रोलॉजिस्ट
अब गायत्री हॉस्पिटल में प्रतिदिन उपलब्ध

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ स्तरीय क्वान किडो चैंपियनशिप में मुकेश ने जीता स्वर्ण पदक

सूरजपुर। जिले के तेलसरा जैसे छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले मुकेश कुमार ने अपनी कड़ी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण की बदौलत एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। हाल ही में अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम मल्टीप्लेक्स हॉल में 29 और 30 नवंबर को आयोजित दो दिवसीय छत्तीसगढ़ स्तरीय क्वान किडो चैंपियनशिप में जहां पूरे राज्य के लगभग 200 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले इस टूर्नामेंट में 53 किलोग्राम भारवर्ग पुरुष में मुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

पीएम श्री जयनगर में नवपदस्थ प्राचार्या पुष्पा राय ने पदभार ग्रहण किया

बिलासपुर। पीएमश्री सेजेस जयनगर में सोमवार को नई प्राचार्या श्रीमती पुष्पा राय ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया है, पदभार ग्रहण के दौरान पूर्व प्राचार्या विवेक जायसवाल ने औपचारिक रूप से उन्हें प्रभार सौंपते हुए पुष्पा गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया, इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने श्रीमती पुष्पा राय को उनके नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं, नवपदस्थ प्राचार्या पुष्पा राय ने पदभार ग्रहण करने उपरांत विद्यालय के शैक्षणिक विकास, विद्यार्थियों की प्रगति और अनुशासन को सर्वोपरि रखने की बात कही तथा सभी से सहयोग की अपेक्षा जताई है।

लक्ष्मी गुप्ता बनाए गए कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक

अंबिकापुर। छग तेलधानी विकास बोर्ड के पूर्व सदस्य लक्ष्मी गुप्ता को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया गया है। वर्तमान में लक्ष्मी गुप्ता पिछड़ा वर्ग कांग्रेस सरगुजा जिला के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे थे। लक्ष्मी गुप्ता ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय समन्वयक का नया दायित्व मिला है। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव जी, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत का हृदय से आभार है। हम सब मिलकर कांग्रेस एवं पिछड़ा वर्ग की आवाज को बुलंद और स्थापित करने के लिए मेहनत करेंगे। लक्ष्मी गुप्ता की नियुक्ति से हर्ष का माहौल व्याप्त है।

डीएवी स्कूल में लगाई गई शैक्षणिक मांडलों की प्रदर्शनी

बिलासपुर। नगर के डीएवी पब्लिक स्कूल में प्राचार्या के मार्गदर्शन में शनिवार को जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी विज्ञान, गणित, सामाजिक अध्ययन, हिंदी, अंग्रेजी, कंप्यूटर साइंस, एवं कला विषयों के वर्किक व स्टैटिक मांडलों की प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी पूरी लगन व कड़ी मेहनत से मांडलों व प्रोजेक्ट को साकार रूप दिया, यहाँ पर मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह के कर कमलों से प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया, विश्रामपुर के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के साथ-साथ अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों व अभिभावकों एवं गणमान्य अतिथियों ने प्रदर्शनी को देखा और बच्चों के प्रयास एवं क्रियात्मकता की सराहना की, यह प्रदर्शनी सभी आगंतुकों के लिए ज्ञानवर्धक एवं आकर्षण का केंद्र रही, मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह व अन्य अतिथियों क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण सिंह, एसके शिंदे एपीएम विश्रामपुर क्षेत्र एवं गणमान्य अतिथियों का विद्यालय प्राचार्या एवं वरिष्ठ अध्यापकों द्वारा सैफ्टिगं भेंटकर स्वागत किया गया, इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ संजय सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों को विज्ञान के साथ-साथ विविध विषयों को समझने में सहायक सिद्ध होगी और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिलेगी, इससे प्रेरित होकर विद्यार्थी अपने जीवन को नई दिशा प्रदान कर पाएंगे, कार्यक्रम में मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापिका अर्पणा मिश्रा ने किया।

तीन दशक पूर्व सिंचाई के लिए किया गया था निर्माण अनुपयोगी होने के बाद कचरे से ढक गई करोड़ों की पक्की नहर, लोगों ने जगह-जगह जमाया कब्जा

हरिभूमि न्यूज अंबिकापुर

तीन दशक पूर्व किसानों को सिंचाई सुविधा प्रदान करने के लिए बनाई गई कपड़ों की पक्की कैनाल प्रशासनिक लापरवाही की वजह से बंद हो गई है। कैनाल को कचरादान बनाने के साथ ही लोगों ने जगह-जगह कब्जा कर लिया है। जल संसाधन विभाग कैनाल के माध्यम से सिंचाई सुविधा विस्तार करने की योजना बना रहा है वहीं नदिन जगह-जगह की नालियों को कैनाल से जोड़ दिया है। कैनाल में गंदगी भरने के कारण दुर्गंध से लोगों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

तीन दशक पूर्व तक महाभाया पहाड़ से सटे बड़े इलाके में सालोभर अच्छी खेती होती थी। किसानों को सिंचाई सुविधा प्रदान करने जल संसाधन विभाग द्वारा नहर बनाई थी तथा नियमित बांकी बांध से पानी की आपूर्ति की जाती थी। सिंचाई जरूरतों को देखते हुए वर्ष 1990 में नहर का पक्कीकरण कराया था ताकि खेतों तक पर्याप्त पानी पहुंच सके। धीरे-धीरे शहर का विस्तार होता गया तथा खेतों में पानी आबादी बस गई। खेती बंद होने के कारण नहर की उपयोगिता लगभग खत्म हो गई है। इधर उपयोग बंद होने पर अब नहर कचरादान बन गई है। आसपास में निवासरत लोग नहर में ही घरों का कचरा फेंकते हैं। नगर निगम ने भी नहर में शहर की नालियों को जोड़ दिया है जिससे शहर का गंदा पानी एवं कचरा भर गया है। नहर में चारों तरफ झाड़ियां उग आई हैं। नदिन दशकों से नहर का उपयोग गंदा पानी निकासी के लिए कर रहा है लेकिन कभी



कचरे से ढकी नहर।

खैरबार तक होती है सिंचाई

इस नहर के माध्यम से गाम पंचायत खैरबार तक पानी की आपूर्ति की जा रही है। आगे की नहर के कचरा से ढक जाने के कारण आपूर्ति बंद है। आगे के क्षेत्र में खेती सिमटने के कारण सिंचाई की जरूरतें भी खत्म हो गई हैं। विभाग अब गाम लुचकी, कंठी, खाला तक नहर का विस्तार करने की योजना बना रहा है। विभाग ने अपने अस्तित्व को बचाने के संकट से जुझ रहे लुचकी नाले को भी जिंदा करने की भी योजना बनाई है तथा शासन को प्रस्ताव भेजा है। डिहिलॉन्ड स्कूल के पास पुल बनाकर नाले को कैनाल फीडर से जोड़ने की योजना है। लुचकी नाला में पानी भरने पर 10-12 किमी क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

साफ-सफाई का विरोध

गंदगी एवं दुर्गंध से परेशानी होने के बावजूद क्षेत्रवासी नहर की साफ-सफाई का विरोध कर रहे हैं। कुछ महीने पूर्व जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने जेसीबी से नहर की सफाई करने की योजना बनाई थी लेकिन जैसे ही सफाई शुरू की गई क्षेत्रवासी इसका विरोध करने लगे। वार्डवासियों के आगे विरोध के कारण विभाग को सफाई का कार्य रोकना पड़ा। शहर के लिए नहर काफी उपयोगी साबित हो सकती है लेकिन इसके लिए अब तक कोई पहल प्रारंभ नहीं हो सकी है। इस संबंध में कोई भी निर्णय शासन स्तर पर होने के कारण नदिन बंद नहर का उपयोग तो कर रहा है लेकिन इसके अधिग्रहण के लिए पटल नहीं कर रहा है वार्डवासियों का कहना है कि नहर के ऊपर सड़क बनने से क्षेत्रवासी गाइडलैट, खैरबार के रास्ते कम समय में सोनपुर से खररिया चौक तक का सफर कर सकेंगे। नहर की दूसरी तरफ महाभाया पहाड़ एवं खैरबार जंगल होने के कारण इस क्षेत्र में चौपाटी सहित अन्य छोटे व्यवसायों की संभावना बंद सकती है।

इसकी साफ-सफाई नहीं कराई। गंदगी एवं दुर्गंध के कारण आसपास में निवासरत

ग्रामीणों का बुरा हाल है। लोगों ने जगह-जगह नहर पर कब्जा भी कर लिया है तथा कहीं नहानी तो कहीं गैरज बना दिया है। क्षेत्रवासी नहर के रास्ते ही आवागमन भी करते हैं लेकिन दशकों का समय गुजरने के बावजूद इस नहर के उपयोग की योजना अब तक नहीं बनाई जा सकी है। क्षेत्रवासी लम्बे समय से नहर पर सड़क बनाने की मांग कर रहे हैं वहीं जल संसाधन विभाग इसके विस्तार की योजना बना रहा है। महामाया मंदिर के निकट से श्रीगढ़ तक 2 किमी लंबी नहर गंदगी से ढक गई है।

विस्तार का बना रहे प्रस्ताव

पक्की नहर में कचरा पटने के साथ ही लोगों ने जगह-जगह अतिक्रमण कर लिया है। नहर को कंठी, खाला तक विस्तार करने का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा तथा स्वीकृति मिलते ही अवैध अतिक्रमण को हटाया जाएगा। -एपी निरंजन, जल संसाधन विभाग

हंगामे और विरोध के बीच पूर्ण हुई सपनादर में जनसुनवाई

हरिभूमि न्यूज अंबिकापुर

मैनपाट के कंडराजा के बाद मंगलवार को ग्राम सपनादर में खुलने वाले नए बॉक्साइट खदान को लेकर भी जमकर हंगामा व विरोध प्रदर्शन हुआ। पर्यावरणीय जनसुनवाई में बाहरी लोगों को शामिल किए जाने का आरोप लगाकर लोगों ने जमकर हंगामा मचाया। इस दौरान झुमाइल की तक की स्थिति निर्मित हो गई। मौके पर मौजूद पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने समझाईश के तमक के बीच जनसुनवाई की प्रक्रिया पूर्ण की गई जिसमें भी मेहनत 277 लोगों ने अपने विचार रखे हैं और इनमें से लगभग 95 प्रतिशत ने अपनी ओर से खदान खोलने जाने पर असहमति जताई है।



बता दें कि मैनपाट विकासखंड के ग्राम कंडराजा और सपनादर में मेसर्स कुदरगढ़ी स्टील प्ला. लि. को बॉक्साइट खदान खोलने जाने को स्वीकृति दी गई है। कंडराजा में 135.223 हेक्टेयर क्षेत्र में बॉक्साइट खदान प्रस्तावित है जिसके लिए पर्यावरणीय जनसुनवाई 30 नवंबर को हुई जबकि सपनादर में 171.136 हेक्टेयर भूमि पर बॉक्साइट खदान प्रस्तावित है। 2 दिसंबर को

के पूर्व अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह सहित अन्य लोगों ने जनसुनवाई के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने के साथ ही बिना ग्राम सभा के ही जनसुनवाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने जन सुनवाई स्थगित करने की मांग की। वहीं ग्रामीणों का कहना था कि जनसुनवाई में बाहरी लोगों को बुलाया गया है। बाहरी लोग आकर खदान खोलने का समर्थन कर रहे हैं। इस दौरान लोगों ने कुछ बाहरी लोगों को मौके पर पकड़ भी लिया उसके साथ झूमा-झटकी शुरू कर दी। मौके पर मौजूद एएसपी अमोलक सिंह हिल्लो व अन्य पुलिस अधिकारियों ने मामला शांत कराया। ग्रामीणों का कहना था है कि जनसुनवाई की सूचना ग्रामीणों को नहीं दी गई और कोई ग्राम सभा हुई। मैनपाट में बॉक्साइट उत्खनन से पर्यावरण को सीधा नुकसान होगा और जल स्रोत पर इसका असर पड़ेगा। कंपनी खनिज निकालकर बड़े बड़े गड्डे छोड़कर चली जाती है। खनन से मैनपाट में पर्यटन को नुकसान होगा और यहां के भोले भाले आदिवासियों का शोषण किया जाएगा। भारी गहमा गहमी और हंगामे के बीच देर शाम तक जन सुनवाई की प्रक्रिया पूर्ण की गई जिसमें 277 लोगों ने मौखिक और लिखित रूप से अपने विचार रखे हैं।



अवैध धान लोडो दो पिकअप को पुलिस ने पकड़ा

सूरजपुर। एएसएपी प्रशांत कुमार टाकूर के निर्देश पर जिले में बाहरी राज्यों से धान की अवैध आवाजाही को रोकने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। इसी कड़ी में सोमवार को बसदेई चौकी प्रभारी योगेन्द्र जायसवाल टीम के साथ गश्त पर निकले थे। इसी दौरान पिकअप क्रमक सीजी 15 सीवाई 2026 एवं सीजी 29 एफ 3433 में अवैध रूप से धान लोड कर बिना टोकन के धान ले जाते पकड़ा। आगे की कार्रवाई के लिए एएसडीएम मैयाथान को सुपुर्द कर दिया। कार्रवाई में आरक्षक रामकुमार केवट व सैनिक अनिल विश्वकर्मा सक्रिय रहे।

-सुनील नायक, अपर कलेक्टर सरगुजा

सपनादर में होने वाले बॉक्साइट खनन हेतु पर्यावरणीय जनसुनवाई की गई। अपर कलेक्टर सुनील नायक की अध्यक्षता में जनसुनवाई की प्रक्रिया शुरू हुई। प्रक्रिया शुरू होते ही स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा मचाया। अजजा आयोग

ग्रामीण ने वन विभाग के कर्मचारियों पर लगाया घर में चोरी करने का आरोप

धौरपुर। ग्राम करी निवासी ग्रामीण ने वन विभाग में पदस्थ कर्मचारियों पर सूने घर घुस कर अलमारी तोड़ नकदी सहित चांदी के जेवर चोरी करने का आरोप लगाया है। पीठित ग्रामीण घटना की शिकायत कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की ओर दौषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से की गई शिकायत में धौरपुर अंतर्गत ग्राम करी बकराताल निवासी विनोद कुमार खलखो ने बताया है कि 27 नवम्बर को घर में सिकड़ी लगाकर साप्ताहिक बाजार बरियों गया था। लगभग शाम 4 बजे पड़ोसी प्रमिल तिवारी ने फोन कर बताया कि घर में वन विभाग के प्रवीण गुप्ता एवं उनके साथ आए अन्य कर्मचारी ने सिकड़ी खोलकर अंदर घुसे थे और पड़ोसी के महत्वाक्षर करवाकर चले गए। इधर मकान मालिक विनोद घर पहुंचा तो देखा सामान बिखरे हुए थे और अलमारी का लॉक टूटा हुआ था। मकान मालिक के मुताबिक अलमारी में नगद 20 हजार एवं चांदी के कुछ जेवर थे जो गायब हैं। मकान मालिक ने वन विभाग के कर्मचारी द्वारा चोरी कर ले जाने का आरोप लगाया। साथ ही मामले को जांच कर दौषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

कार्मेल स्कूल में एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता

बिश्रामपुर। नगर में संचालित कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल में शनिवार 29 नवंबर को एकदिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ, आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा उपस्थित थे, विद्यालय परिवार ने मुख्य अतिथि की उपस्थिति में प्रतियोगिता आरंभ कराई, विद्यालय के विभिन्न सदनों के विद्यार्थियों द्वारा निकाले गए मार्च पास्ट की मुख्य अतिथि ने सलामी ली, यहाँ पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर ने कहा कि विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ खेलकूद व मनोरंजन आवश्यक है, उन्होंने कहा कि स्वस्थ मन व मन के लिए खेलकूद जरूरी है, आज के युवा पढ़ाई के अलावे खेलकूद के जरिए अपना कैरियर बना रहे हैं, उन्होंने विद्यार्थी जीवन में अनुशासन को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि यदि भविष्य में कुछ बनना है तो हमें अनुशासन का पालन करना होगा और इसके लिए विद्यार्थी जीवन से ही इसका अभ्यास व्यक्ति को करना चाहिए, उन्होंने वार्षिक प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दी, विद्यालय प्राचार्य सिस्टर मार्लिन ने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना से खेलने प्रोत्साहित



कर उत्साहवर्धन किया, वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दौड़, लंबी कूद, रिले रेस सहित अन्य खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पदक और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया, आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय प्राचार्य के अतिरिक्त स्कूल मैनेजर सिस्टर डायना, खेल शिक्षक एसडी शर्मा सहित विद्यालय के सभी शिक्षक व स्टाफ सक्रिय रहे।

अचल संपत्तियों की खरीद-फरोख्त के लिए निर्धारित गाइडलाइन से जनता में रोष : राजवाड़े

भैयाथान। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अचल संपत्तियों की खरीद-फरोख्त के लिए निर्धारित गाइडलाइन वरों में 20 प्रतिशत से लेकर 10 गुना तक की अनुमतपूर्व बढोतरी ने पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा दिया है। मध्यवर्गीय परिवारों के सिर पर जमीन और मकान खरीदने का बोझ अचानक कई गुना बढ़ जाने से जनता में गहरा रोष दिखाई दे रहा है। सरकार के फैसले पर पूर्व संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस निर्णय को तुंगलकी फरमान बताते हुए आशंका जताई कि इसकी परिणति भी जीएसटी और नोटबंदी जैसी अव्यवस्था में हो सकती है। राजवाड़े ने कहा कि गाइडलाइन वरों की यह उछाल सीधे-सीधे जनता की पेटुं को खत्म कर देगी। गाइडलाइन वरें स्थानीय बाजार मूल्य से भी ऊपर पहुंच गई हैं, जिसके कारण रजिस्ट्री शुल्क पहले से कई गुना अधिक चुकाना पड़ेगा।



पीएमओ कार्यालय में शिकायत उपरांत प्रबंधन हरकत में

हरिभूमि न्यूज मानीचौक

रेहर भूमिगत खदान में कर्मचारियों के खिलाफ प्रधानमंत्री पोर्टल पर दर्ज शिकायत ने अब बड़ा सामाजिक और आर्थिक संकट रूप ले लिया है। जहां अधिकांश मजदूरों को यूनियन के हस्तक्षेप के बाद काम पर वापस लौटा दिया गया है, वहीं अब कर्मचारियों के समक्ष भूखे मरने की नौबत आ गई है। प्रधानमंत्री के पोर्टल में शिकायत उपरांत एएसईएल प्रबंधन द्वारा रेहर खदान में कार्यरत सूरजन आ. मोहर साय, भग्गू आ.गेंदला, लालदेव आ. वासुदेव, विजय आ. घासी, हसतम आ. राजूराम, रतीराम आ.जगमोहन, वंशू आ. बाबूलाल, धुकनाथ आ. वालम, कृपाल सिंह आ. अर्जुन, हीरालाल आ. जुलुग, शिवबालक आ. रामदेव, बीरबल आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्मचारी स्वयं कार्य करने में असमर्थ हैं और अपनी असली इय्टी की जगह अपने पुत्रों या रिश्तेदारों को खदान में भेजते हैं। इस पूरे मामले में प्रबंधन भी मौन सहमत देता है। बताया जा रहा है अधिकांश मजदूर दुर्घटनाओं में घायल होने के कारण खदान के भीतर कार्य करने योग्य नहीं हैं। शिकायत की सूचना पर शुरू हुए जांच के बाद रेहर खदान प्रबंधन ने सभी शिकायत के शिकार हुए कर्मचारियों को काम से बैठा दिया है। जिससे मजदूर परिवारों पर संकट गहरा गया है। स्थानीय कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ कर बेबुनियाद शिकायत को आधार बनाकर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा सरफेस में कार्यरत सभी कर्मचारियों को चिन्हंकित कर कर्मचारियों को दिए गए भूमिगत भत्ता की कटौती की जा रही है एवं ऐसे कामगार आ.जगमोहन, वंशू आ. मोहरलाल, प्रेमसाय आ. दलसाय, माझी सहित कई कर्मचारियों को कार्य से बैठा दिया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चमरू राम आ. प्राणसाय और रामचंद्र आ. देवसाय जैसे अब दिवंगत कर्मचारियों के नाम भी शिकायत में दर्ज किए गए हैं। प्रधानमंत्री पोर्टल में दर्ज कराई गए शिकायत में शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कई कर्म